

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II खण्ड 3 उपल्या (li)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सo 441]

नदै वित्ती, बुधवार, ग्रक्तूबर 6, 1976/ग्रादियन 14, 1898

No. 441]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 6, 1976/ASVINA 14, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्क।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 6th October 1976

S.O. 656(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 9 of the Burn Company and Indian Standard Wagon Company (Nationalisation) Act, 1976 (No. 97 of 1976) and in continuation of the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) No. S.O. 424(E), dated the 23rd June, 1976, the Central Government hereby appoints Shri S. N. Chattopadhyay as Custodian, in relation to the undertakings of the two Companies, namely Messrs Burn and Company Limited and Messrs Indian Standard Wagon Company Limited for a period onwards from the 30th September, 1976 until further orders, in addition to Shri N. R. Bhargava, who will be on foreign tour during the aforesaid period.

[No. F. 3 (35)/76/HM-III] S. M. GHOSH, Addl, Socy,

ज्योग मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

धावेश

मई दिल्ली, 6 श्रक्तुबर, 1976

का । या । 656 (य) .-- वर्न कम्पनी तथा इण्डियन स्टैण्डर्ड वैगन कम्पनी (राष्ट्रीयकरण) क्षींधनियम, 1976 (1976 की संख्या 97) की धारा 9 की उन-धारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के उद्योग श्रीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के भादेश संव काव भाव 424 (ङ), दिला ह 23 जुन, 1976 की जारी रखते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारां श्री एस० एन० चड़ोनाऱ्याय को 30 सितम्बर, 1976 के श्रागे से श्रागामी श्रादेशों तक की भवधि के लिए श्री एन० ग्रार० भागव के स्थान पर जो उक्त ग्रवधि में विदेश याता पर होंगे. दो कम्पनियों के उपक्रमों अर्थात मे० बर्न एण्ड कंम्पनी लिमिटेड तथा मे० इण्डियन स्टैंडर्ड वैगन कम्पनी लिमिटेड के सम्बन्ध में संरक्षक नियुक्त करती है।

> [सं॰ फा॰ 3(35)/76/एच॰ एम॰-III] एस० एम० घोष, ग्रपर सचिव।